# PAGE MAKER

*Hindi Note*

Directed BY:
**Mr.Murti Nidhad**

Near Govt. School VIP Road Fundhar Raipur (C.G.) 9754118593

# टूल बॉक्स (The Tool Box)

**एडोब पेजमेकर टूलबॉक्स आपको पेजमेकर में ब्रोसर्स, पोस्टकार्ड्स, बिजनेस कार्ड, लेटरहैड्स, या अन्य पब्लिकेशन्स को डिजाइन करने के लिये आपकी आवश्यकतानुसार सभी डेस्कटॉप पब्लिशिंग टूल्स प्रदान करता हैं।**

सामान्यतया टूल बॉक्स  पैलेट पेजमेकर की विंडो मे स्वतः ही दिखाई पडता है यदि यह दिखाई न दे रहा हो तो Window Menu मे Show Tools आदेश देकर उसे देखा जा सकता है, टूलबॉक्स  मे आपके प्रकाशन के किसी पृष्ठ को तैयार करने के लिए सभी आवश्यक टूल दिए होते है।

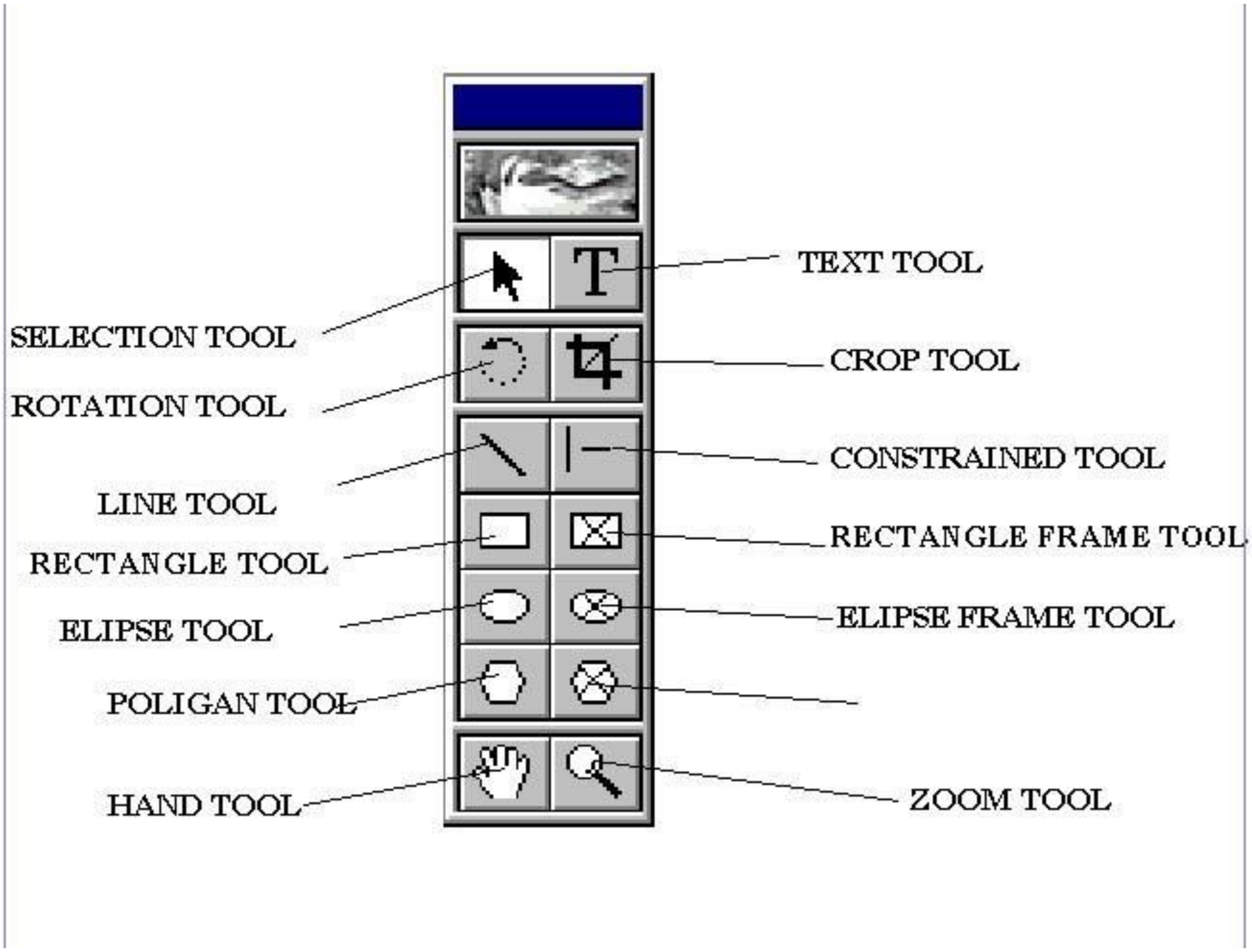


जब आप किसी टूल को चुनने के लिये उस पर माउस प्वांटर लॉकर  क्लिक करते है, तो माउस प्वांटर अपना रूप बदल देता है और टूलबॉक्स  से बाहर आने पर उसी टूल के रूप का हो जाता है इससे आपको पता चल जाता है कि आपने कौन सा टूल चुना हुआ है।

## प्वांटर टूल (Pointer tool)

किसी पृष्ठ पर लगी हुई किसी भी प्रकार की वस्तु, जैसे पाठ्य, लाइन, बॉक्स , वृत्त, चित्र आदि को चुनने के लिए माउस प्वाॅइटर उस वस्तु के ठीक ऊपर लाकर क्लिक कीजिए, चुनी हुई वस्तु के चारो ओर हैडिंल दिखाई पडते है, जिनसे आपको पता चलता है कि वह वस्तु चुनी हुई है।

आप इस टूल का उपयोग करके एक से अधिक वस्तुए भी एक साथ चुन सकते है, इसके लिए पहले एक वस्तु को क्लिक करके चुनिए और फिर अन्य वस्तुओ को बारी बारी से क्लिक करते समय शिफ्ट कुंजी को दबाए रखिए इससे वे सभी वस्तुए चुन ली जाएगी यदि चुनी जाने वाली वस्तुए पास पास है तो प्वांटर टूल को सक्रिय करके माउस प्वांटर से उनके चारो ओर एक काल्पनिक चैकोर घेरा बनाइए, इससे उस घेरे के अंदर जाने वाली सभी वस्तुए चुन ली जाएगी किसी चुनी हुई वस्तु को चुनाव से निकलने के लिए शिफ्ट दबाकर उसे क्लिक किजिए सभी चुनावो को रद्द करने के लिए कही खाली स्थान पर क्लिक कीजिए।

## टेक्स्ट टूल (Text Tool)

इस टूल की सहायता से आप अपने प्रकाशन मे टैक्स्ट टाइप कर सकते है या पहले से टाइप किए हुए टैक्स्ट को चुन सकते है।टैक्स्ट टूल का प्रयोग करके आप टैक्स्ट को सेलेक्ट करने के साथ संशोधन कर सकते हैं, साथ ही साथ टैक्स्ट बॉक्स इंसर्ट कर सकते हैं।

टेक्स्ट टूल को इन्सर्ट करने के लिए टैक्स्ट टूल पर क्लिक कीजिये,फिर डॉक्यूमेंट पर क्लिक कीजिये तथा टैक्स्ट टाइप करना आंरभ कीजिये।

## रोटेटिंग टूल (Rotating Tool)

किसी चुनी हुई वस्तु को 0.01° के अंतर से 360° तक घुमाने के लिए इस टूल का उपयोग किया जाता है इसके लिए पहले प्वांटर टूल का उपयोग करके उस वस्तु को चुन लीजिए, फिर रोटेटिंग टूल को क्लिक कीजिए। इससे माउस प्वांइटर का रूप बदलकर एक चोकोर तारे जैसा रूप ले लेगा अब माउस प्वांइटर को चुनी हुई वस्तु के उस बिन्दु पर ले जाइए, जिसको केन्द्र मानकर आप उसे घुमाना चाहते है वही माउस बटन को दबाकर पकड लीजिए और जिस दिशा मे आप उसे घुमाना चाहते है उसी दिशा मे माउस प्वांइटर को खीचंते हुए उस बिन्दु से एक लाइन बनाइए, जब आप उस लाइन को घुमाएंगे, तो चुनी हुई वस्तु भी घूमती हुई दिखाई देगी इच्छित अंश तक घुमाने के बाद माउस बटन को छोड दीजिए, इससे वह वस्तु उतनी ही घूम कर स्थिर हो जाएगी।

## लाइन टूल (Line Tool)

इस टूल का उपयोग किसी भी अंश पर झुकी हुई सरल रेखाए खीचने के लिए किया जाता है कोई रेखा खीचने के लिए पहले इस टूल को क्लिक कीजिए, जिससे माउस प्वाइंटर एक धन चिन्ह + का रूप ले लेगा। अब माउस बटन दबाकर माउस प्वांटर को एक बिंदु से दूसरे बिंदु तक खीचिए, जिससे उन दोनो बिंदुओ के बीच एक सरल रेखा बन जाएगी।

यदि आप रेखा को 45° के अंतरो मे झुकी हुई बनाना चाहते है तो माउस प्वांइटर को खीचते समय शिफ्ट कुंजी को दबाकर पकड लीजिए।

## कॉन्सट्रेन्ड लाइन टूल (Constrained Line tool)

इस टूल का उपयोग क्षैतिज तथा ऊध्र्वाधर सरल रेखाए खीचने के लिए किया जाता है। कोई रेखा खीचने के लिए पहले इस टूल को क्लिक कीजिए। जिससे माउस प्वांइंटर एक धन + चिन्ह का रूप ले लेगा। अब माउस बटन दबाकर माउस प्वांइटर को एक बिन्दु से दूसरे बिन्दु तक खीचिए। जिससे उन दोनो बिदुंओ के बीच एक क्षैतिज अथवा ऊध्र्वाधर सरल रेखा बन जाएगी। आप लाइन टूल का उपयोग करते समय शिफ्ट कुर्जी को दबाए रखकर इस टूल का प्रभाव उत्पन्न कर सकते है।

## रेक्टेंगल टूल (Rectangle Tool)

इस टूल का उपयोग आयताकार तथा वर्गाकार आकृतिया बनाने के लिए किया जाता है। कोई आयत बनाने के लिए पहले इस टूल को क्लिक कीजिए, जिससे माउस प्वांइंटर एक धन + चिन्ह का रूप ले लेगा। अब माउस बटन दबाकर माउस प्वांइटर को आयत के एक कोने से उसके सामने के दसरे कोने तक खीचिए। जिससे उन दोनो बिदुंओ के बीच आयत बन जाएगा। वर्ग बनाने के लिए ऊपर की क्रिया मे माउस प्वांइंटर को खीचते समय शिफ्ट कुजी को दबा लिया जाता है।

## इलिप्स टूल (Ellipse Tool)

इस टूल का उपयोग दीर्घवृत्ताकार तथा वृत्ताकार आकृतिया बनाने के लिए किया जाता है। कोई दीर्घवृत्त या ओवल बनाने के लिए पहले इस टूल को क्लिक कीजिए, जिससे माउस प्वांइंटर एक धन + चिन्ह का रूप ले लेगा। अब माउस बटन दबाकर माउस प्वांइंटर की आकृति को के एक कोने से उसके सामने के दसरे कोने तक खीचिए। जिससे उन दोनो बिदुंओ के बीच एक ओवल या दीर्घवृत्त बन जाएगा। दीर्घवृत्त बनाने के लिए माउस प्वांइंटर को खीचते समय शिफ्ट कुजी को दबा लिया जाता है।

## हैडं टूल (Hand Tool)

इस टूल का उपयोग प्रकाशन के किसी भी पृष्ठ को स्क्रीन पर इधर उधर या ऊपर नीचे सरकाने के लिए किया जाता है ताकि आप उसका इच्छित भाग देख सके।

## जूम टूल (Zoom Tool)

इस टूल का उपयोग प्रकाशन के किसी भी पृष्ठ को स्क्रीन पर छोटा या बडा करके देखने के लिए किया जाता है ताकि आप उसे अच्छी तरह से देख सके।

## क्रॉप टूल (Crop Tool)

इसका प्रयोग करके आप इम्पोर्ट की गई इमेज को अपनी इच्छानुसार किसी भी आकार में छॉट सकते हैं। आप इस पेजमेकर टूल का प्रयोग केवल .tiff इमेज पर कर सकते हैं।

## ऑब्लिक लाइन टूल (Oblique Line Tool)

इसका प्रयोग करके आप एक कोण पर सीधी रेखाओं का निर्माण कर सकते हैं। ऑब्लिक लाइन टूल पर क्लिक कीजिये, तथा फिर डॉक्यूमेंट पर क्लिक कीजिये। एक लाइन का निर्माण करने के लिये इसे एच्छिक दिशा में ड्रैग कीजिये।

## बॉक्स टूल (Box Tool)

बॉक्स टूल का प्रयोग करके आप आयताकार आकारो (Rectangle) का निर्माण कर सकते हैं। बॉक्स टूल का चयन कीजिये तथा डॉक्यूमेंट पर क्लिक कीजिये। आयताकार आकार (Rectangle) का निर्माण करने के लिये इसे ड्रैग कीजिये।

## सर्किल टूल (Circle Tool)

सर्किल टूल का प्रयोग करके आप एक वृत्ताकार या दीर्घवृत्ताकार (Circular or Elliptical)आकार का निर्माण कर सकते हैं। सर्किल टूल का चयन कीजिये, तथा फिर डॉक्यूमेंट पर क्लिक कीजिये। वृत्त या दीर्घवृत्त (Circle or ellipse) का निर्माण करने के लिये इसे ड्रैग कीजिये।

## सर्कुलर फ्रेम टूल (Circular Frame Tool)

सर्कुलर फ्रेम टूल का प्रयोग करके आप वृत्ताकार या दीर्घवृत्ताकार टैक्स्ट बॉक्स (Circular or elliptical text box) का निर्माण कर सकते हैं जिसमें आप टैक्स्ट टाइप भी कर सकते हैं। सर्कुलर फ्रेम टूल का चयन कीजिये, तथा फिर डॉक्यूमेंट पर क्लिक कीजिये। वृत्ताकार फ्रेम (Circular frame) का निर्माण करने के लिये इसे ड्रैग कीजिये। टूलबॉक्स से टैक्स्ट टूल का चयन कीजिये तथा फ्रेम के अंदर क्लिक कीजिये। अपना टैक्स्ट टाइप कीजिये। टैक्स्ट बॉक्स के अंदर सीमित हो जायेगा।

## पॉलीगन टूल (Polygon Tool)

पॉलीगन टूल का प्रयोग करके आप एक ऐसे आकार का निर्माण कर सकते हैं। जिसके चार से ज्यादा कोने होते हैं। सर्कुलर फ्रेम टूल का चयन कीजिये, तथा फिर डॉक्यूमेंट पर क्लिक कीजिये। बहुभुजाकार फ्रेम (Polygonal frame) का निर्माण करने के लिये इसे ड्रैग कीजिये। Polygonमें सुधार करने के लिये, Element पर क्लिक कीजिये ओर फिर ड्रॉप डाउन मेन्यू से Polygon Settings का चयन कीजिये।

## कंट्रोल पैलेट (Control Palette)

जैसा कि इसके नाम से स्पष्ट है, यह पैलेट किसी वस्तु को नियंत्रित करने अर्थात मनचाहे रूप और आकार मे बदलने और सुधारने की सुविधा प्रदान करता है जैसे ही किसी वस्तु या टैक्स्ट को चुनते है, कंट्रोल पैलेट का रूप उसी के अनुसार बदल जाता है और उसमे उस वस्तु से संबंधित अनेक पैरामीटर जैसे फाॅण्ट, आकार, मोटाई, स्थिति, घूमने का कोण आदि दिखाई पडते है।

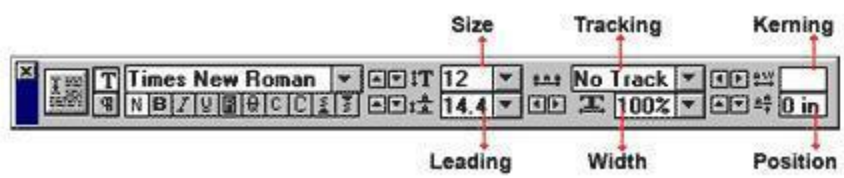


यदि आप इनमे से किसी पैरामीटर को बदलना चाहते है तो कंट्रोल पैलेट मे उस पैरामीटर के बॉक्स मे कर्सर ले जाइए और उसमे पैरामीटर का उचित मान सेट कीजिए अथवा कंट्रोल पैलेट मे बने छोटे छोटे बॉक्सों मे से उचित बॉक्स को क्लिक कीजिए। अपनी सेटिंग का प्रभाव तत्काल ही आप संबंधित वस्तु पर देख सकते है।

## स्टाइल पैलेट (Style Palette)

इस पैलेट का उपयोग टैक्स्ट टूल के साथ किसी पैराग्राफ के ऊपर कोई स्टाइल लागू करने अथवा लागू स्टाइल का नाम देखने के लिए किया जाता है । आप Window Menu मे Show Styles आदेश देकर अथवा कंट्रोल के साथ B (Ctrl + B) Button दबाकर उसे देख सकते है।

स्टाइलो से संबंधित विशेष कार्य इसके पैलेट मेन्यू मे उपलब्ध है जिसे आप इसके दाएं कोने के निकट बने तीर के बटन को क्लिक करके खोल सकते है। इसमे किसी स्टाइल को डुप्लीकेट करने, सुधारने आदि की क्रियाए उपलब्ध है आप अपनी नई स्टाइल भी बना सकते है। और उन्हे किसी भी पैराग्राफ पर लागू कर सकते है।

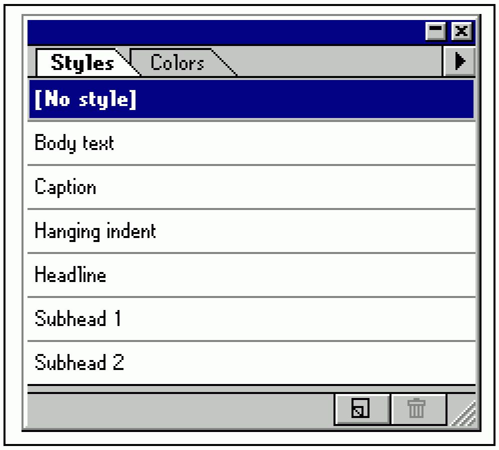


## मास्टर पेज पैलेट (Master Pages Palette)

इस पैलेट का उपयोग मास्टर पेज बनाने और प्रकाशन के किसी पृष्ठ पर उसे लागू करने के लिए किया जाता है। आप Window Menu मे Show Master Pages आदेश देकर अथवा कंट्रोल तथा शिफ्ट के साथ 8 (Ctrl + Shift + 8) button दबाकर उसे देख सकते है।

मास्टर पेजो के संबंध मे विशेष क्रियाये इसके पैलेट मेन्यू मे उपलब्ध है, जिसे इसके दांए कोने पर बने तीर के बटन को क्लिक करके देखा जा सकता है।

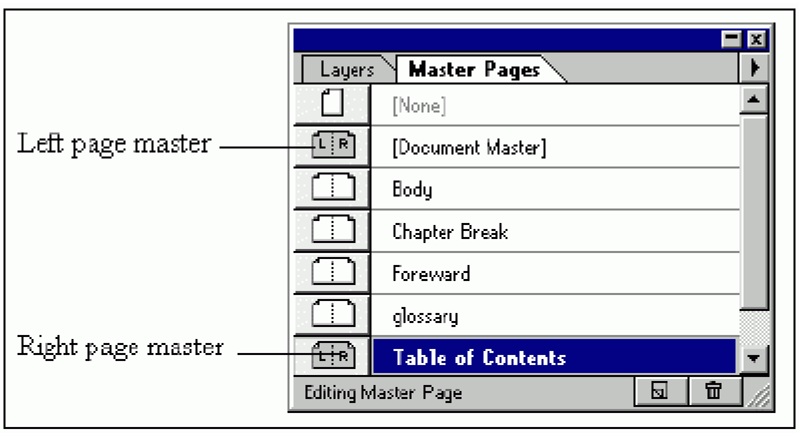

# डेस्कटॉप प्रकाशन का उपयोग (Uses of Desktop Publishing)

**पाठ्य तैयार करना (Creating Text) इस चरण मे सामान्यतया किसी वर्ड प्रोसेसर द्वारा पाठ्य सामग्री तैयार की जाती है, जिसमे टाइप करना, प्रूफ देखना, वर्तनी की जांच करना, सम्पादन करना, संशोधन करना आदि शामिल होता है।**

1. चित्र तैयार करना (Creating Illustrations)
2. पेज की डिजाइन बनाना (Designing Page)
3. पेज तैयार करना (Making The Page)
4. प्रकाशन को छापना (Printing The Publication)
5. प्रकाशन के अंतिम रूप देना (Finalizing the Publication)

## चित्र तैयार करना (Creating Illustrations)

यह कार्य सामान्यतया दो प्रकार से किया जाता है या तो किसी ग्राफिक सॉफ्टवेयर द्वारा आवश्यक चित्र बना लिये जाते है या पहले से बने हुए अथवा छपे हुए चित्र को किसी स्कैनर द्वारा इलैक्ट्रॉनिक डाटा मे बदलकर कम्प्यूटर मे स्टोर कर लिया जाता है इस विधि मे स्कैनर की क्षमता अधिक महत्वपूर्ण होती है आवश्यकता के अनुसार इन दोनो विधियो का उपयोग करके सभी प्रकार के चित्र रेखाचित्र, फोटो आदि तैयार कर लिये जाते है।

## पेज की डिजाइन बनाना (Designing Page)

इस चरण मे प्रत्येंक पृष्ठ का खाका तैयार किया जाता है इसमे पृष्ठ की लंबाई, चैडाई और चारो ओर छोडे जाने वाले हाशिए तय कर लिये जाते है यह कार्य डीटीपी सॉफ्टवेयर द्वारा करना कही आसान है क्योकि उसमे आप विभिन्न प्रकार की डिजाइने मिनिटो मे बनाकर देख सकते है कि कौन सी डिजाइन आपके लिये सर्वश्रेष्ठ रहेगी।

## पेज तैयार करना (Making The Page)

यह चरण सबसे अधिक महत्वपूर्ण होता है, वास्तव मे यही डीटीपी का मुख्य चरण है, इनमे समस्त तैयार की हुई सामाग्री को इलेक्ट्रॉनिक पृष्ठ पर अच्छी तरह लगाया जाता है इसमे पाठ्य के फाण्ट आकार तथा चित्रो के आकार के बारे मे निर्णय लिये जाते है और उन्हे इस प्रकार लगाया जाता है कि प्रत्येक प्रष्ठ अधिक अधिक सुन्दर और उपयोगी बने डीटीपी सॉफ्टवेयर द्वारा ऐसा करना बहुत सरल होता है क्योकि इसमे आप अपने कम्प्यूटर की स्क्रीन पर ही किसी पेज को कई प्रकार से लगाकर देख सकते है कि कौन सा प्रकार सबसे अच्छा रहेगा।

## प्रकाशन को छापना (Printing The Publication)

इस चरण मे इलैक्ट्रांनिक रूप से तैयार किए गए प्रकाशन के सभी पृष्ठो को किसी लेजर प्रिंटर पर छापा जाता है इस चरण मे परम्परागत विधि और डीटीपी विधि मे अंतर साफ मालूम पडता है, क्योकि परम्परागत प्रकाशन मे सामाग्री भातिक रूप मे पहले ही छपी हुई उपलब्ध होती है जबकि डीटीपी मे सामाग्री सबसे बाद मे छापी जाती है।

## प्रकाशन के अंतिम रूप देना (Finalizing the Publication)

इस चरण मे प्रकाशित दस्तावेज को एक बार पुनः भली प्रकार देखकर उसके खाके और सामाग्री मे यत्र तत्र संशोधन किए जाते है और अंतिम बार छाप कर वह प्रति ऑफसेट छपाई के लिए दे दी जाती है।

## डी टी पी क्या है? (What is DTP )

**डेस्कटॉप पब्लिशिंग का शाब्दिक अर्थ छापी जाने वाली सामाग्री को अपनी मेज पर ही तैयार करना होता है अर्थात अपनी मेज पर रखे उपकरणो द्वारा ही प्रकाशन का कार्य करना, इसका व्यवहारिक अर्थ है – कम्प्यूटर और उससे जुडे उपकरणो द्वारा प्रकाशन का कार्य करना, दूसरे शब्दो मे इस प्रणाली मे पाठ्य कम्पोज करने, चित्र आदि बनाने से लेकर उन्हे विभिन्न पृष्ठो पर स्थान देने अर्थात सेट करने तक का सारा कार्य अपनी मेज पर रखे कम्प्यूटर मे ही किया जाता है और अंत मे ऐसी मास्टर प्रति लेजर प्रिंटर पर छापकर तैयार कर ली जाती है, जिसे आप किसी छपाई की विधि जैसे ऑफसेट विधि से सीधे कागज पर उतार सकते है और इच्छानुसार कितनी भी प्रतिया छाप सकते है संक्षेप मे, अपने डेस्कटॉप कम्प्यूटर की सहायता से पूरी तरह छापने योग्य दस्तावेज तैयार करना ही डेस्कटॉप पब्लिशिंग कहा जाता है, इसके लिये कई प्रकार के प्रोग्राम उपलब्ध है, जिनके द्वारा आप टुकडो मे बंटी हुई सूचनाओ और सामाग्री को आपस मे जोडकर एक संपूर्ण दस्तावेज बना सकते है।**

डी टी पी की सुविधा व्यवसायिक प्रकाशन ही नही कार्यालय स्वचालन के क्षेत्र मे भी एक प्रमुख उपलब्धि है सभी छोटी बडी कम्पनियां अपने कार्य के बारे मे अनेक प्रकार की सामाग्री जैसे पैम्फलेट, पोस्टर, विज्ञापन, बैलेंसशीट, प्रगति पत्रिका, पुस्तिकाएं आदि प्रतिवर्ष छपवाती है, पहले यह कार्य हस्तचालित टाइप सेंटिंग द्वारा किया जाता था, जिसमे प्रत्येक शब्द हाथ से कंपोज़ करना पडता है और चित्र या ग्राफ का ब्लॉक बनाना पडता है, कम्पोज हो जाने के बाद उसकी जाँच करके उसे छापा जाता है, इस कार्य मे कभी भी पूर्ण संतुष्टि नही मिलती क्योंकि कार्य के बीच मे दस्तावेज मे कोई भी बडा परिवर्तन या सुधार करना संभव नही होता है।

लेकिन डी टी पी की सुविधा उपलब्ध हो जाने से यह कार्य बहुत सरल, विविधापूर्ण और रूचिकर हो गया है इसमे छपाई की सामाग्री पर हमारा पूर्ण नियंत्रण रहता है, हम अक्षरो को मनचाहे आकार और रूप मे ढाल सकते है और पलक झपकते ही उनका टाइपफेस या फॉण्ट बदल सकते है, मनचाहे रंगो के चित्र बनाना उनका आकार बदलना और दस्तावेज मे कही भी स्थापित करना भी बंहुत सरल हो गया है और पूरी तरह संतुष्ट होने के बाद उनकी मास्टर प्रति छापकर अधिक प्रतियो की छपाई हेतु दी जा सकती है, डीटीपी से प्रकाशन की सारी प्रक्रिया बहुत ही सरल और तेज हो गयी है, जिसके कारण मोटी मोटी पुस्तके भी कुछ ही दिनो मे छापकर तैयार कर दी जाती है आपके हाथो मे जो पुस्तक है, जो पुस्तक है, वह भी डीटीपी प्रणाली द्वारा ही तैयार की गयी है।

डीटीपी के कार्य के लिये मुख्यतः तीन वस्तुओ की आवश्यकता होती हैः एक पर्सनल कम्प्यूटर, एक लेजर प्रिंटर तथा डीटीपी का सॉफ्टवेयर , पर्सनल कम्प्यूटर मे पर्याप्त क्षमता की रैम तथा हार्ड डिस्क एवं माउस अवश्य होने चाहिए, अच्छी छपाई के लिये लेजर प्रिंटर भी आवश्यक है वैसे प्रूफ आदि की छपाई साधारण डॉट मैट्रिक्स प्रिंटरो पर भी की जा सकती है, डीटीपी का वास्तविक कार्य इसके लिये उपयोग किये जाने वाले विशेष सॉफ्टवेयर पैकेजो द्वारा किया जाता है।

# एडोब पेजमेकर 7.0 का परिचय (Introduction of Page Maker)

**Adobe PageMaker सबसे पहले 1985 में Apple Macintosh पर Aldus द्वारा पेश किया गया डेस्कटॉप कंप्यूटर प्रोग्राम है। बाद में इसे एडोब कॉरपोरेश ने ग्रहण किया इसके बाद इसके कई वर्जन बाजार में जारी किये गए|**

Adobe PageMaker एक सॉफ्टवेयर प्रोग्राम है जिसका उपयोग ब्रोशर, फ़्लायर्स, न्यूज़लेटर्स, रिपोर्ट और कई अन्य व्यावसायिक-गुणवत्ता के दस्तावेज़ बनाने के लिए किया जाता है जो व्यवसाय या शैक्षिक उद्देश्यों के लिए उपयोग किए जाते हैं। प्रोग्राम उपयोगकर्ताओं को दस्तावेज़ों को फॉर्मेट करना, उनके लेआउट को समायोजित करना और विभिन्न डिज़ाइन विवरणों को बदलना आसान बनाता है, जैसे कि ग्राफिक्स और फोंट, दस्तावेज़ को प्रिंट करने और वितरित करने से पहले।

एडोब पेजमेकर 7.0 डेस्कटॉप प्रकाशन एप्लिकेशन का अंतिम संस्करण है। हालाँकि यह अभी भी Adobe द्वारा बेचा और समर्थित है| एडोब पेजमेकर 7.0 मूल रूप से 2002 में जारी किया गया था, यह छोटे व्यवसायों और पेशेवरों के लिए डिज़ाइन किया गया था| यह प्रिंट के लिए चीजों को डिजाइन करने और पोस्टरों से लेकर रिपोर्टों तक के लिए बनाया गया है एडोब के अधिकांश आउटपुट की तरह यह एक सुविधा संपन्न कार्यक्रम है|

एडोब पेजमेकर Macintosh और Windows दोनों कंप्यूटरों पर चलता है, और यह अनुशंसा की जाती है कि प्रोग्राम को चलाने के लिए उपयोग किए जा रहे कंप्यूटर सिस्टम में कम से कम 200 मेगाबाइट हार्ड डिस्क स्थान उपलब्ध हो। पेजमेकर एडोब फोटोशॉप, एडोब इलस्ट्रेटर और एडोब एक्रोबैट सहित अन्य एडोब कार्यक्रमों के साथ मिलकर काम करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

## पेजमेकर की विशेषताये (Features of PageMaker)

- इसमें टेम्पलेट को ऐड किया गया है। जिसके द्वारा विभिन्न प्रकार के पेजों की डिज़ाइन पहले से ही निर्धारित होती है। और आप उनका उपयोग करके अपने काम को जल्दी कर सकते है।
- इस एडिशन में पहली बार टूलबार को जोड़ा गया। जिसके द्वारा काम करने की स्पीड में वृद्धि हुई है। इस टूलबार की मदद से आप फाइल को प्रिंट, सेव, फॉर्मेटिंग, स्पेलिंग चेक एक ही क्लिक से कर सकते है।
- इसमें कलर मैनेजमेंट का प्रयोग भी किया गया है। इसके द्वारा आप डॉक्यूमेंट में रंगों का निर्धारण अपनी पसंद के अनुसार कर सकते है।
- क्लिप आर्ट के प्रयोग से आप चित्र और आइकॉन का उपयोग पब्लिशिंग में आसानी से कर सकते है।
- आधुनिक तथा एडवांस प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी के माध्यम से आप दोनों तरफ प्रिंटिंग, डुप्लेक्स प्रिंटिंग, बाइंडिंग प्रिंटिंग आदि आसानी से कर सकते है।
- फ़ोटोशॉप के द्वारा फ़ोटो को डायरेक्टली इम्पोर्ट करके उपयोग में ले सकते है।

## Adobe PageMaker Screen (एडोब पेजमेकर की स्क्रीन)

पेजमेकर को खोलने पर आपके सामने जो स्क्रीन आती है उसमे निम्न विकल्प होते हैं –

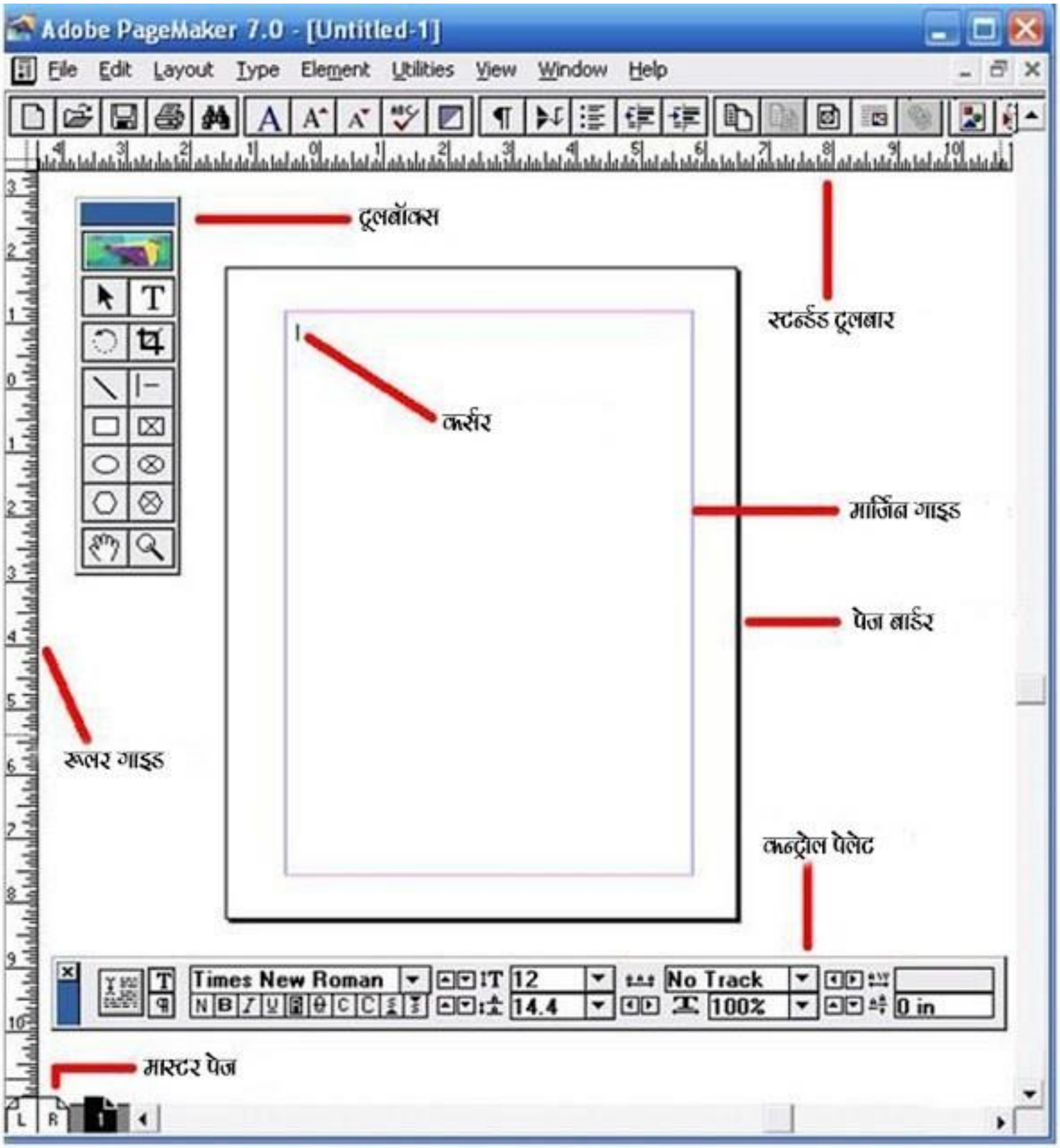


<u>टूलबॉक्स</u>

<u>यह PageMaker में काम करते समय प्रयोग में लाये जाने वाले औजारों (Tools) का एक Box होता है, यहाँ पर आपको पब्लिकेशन बनाने के लिए 14 प्रकार के टूल्स मिलते है। पेजमेकर में जो फाइल बनाई जाती है उसे पब्लिकेशन कहा जाता है। इसे आप अपनी सुविधानुसार कहीं भी मूव कर सकते है।</u>

<u>पेजमेकर में जब कोई नया पब्लिकेशन बनाया जाता है या पहले बनाये गये पब्लिकेशन को खोला जाता है तभी टूल बॉक्स में जो Icons होते है वो दिखाई देने लगते है। अगर किसी वजह से टूल बॉक्स दिखाई ना दे तो विंडो मेनू को ओपन करके Show Tools पर क्लिक करके पेजमेकर में पब्लिकेशन के टेक्स्ट तथा ग्राफ़िक्स की एडिटिंग की जा सकती है।</u>

स्टैंडर्ड टूल बार

पेजमेकर के मेनू बार के नीचे स्टैंडर्ड टूल बार होती है। इसमें प्रयोग किये जाने वाली कमांड जैसे न्यू, ओपन, सेव, प्रिंट, फाइंड आदि आइकॉन के रूप में दिए होते है। जिन्हें आप पब्लिकेशन में काम करते समय प्रयोग में ला सकते है।

रूलर गाइड्स

पेज की लम्बाई-चौड़ाई बताने के लिए रूलर गाइड्स का प्रयोग होता है। जरुरत होने पर इसे भी मूव किया जा सकता है। रूलर गाइड्स पब्लिकेशन के लेफ्ट और टॉप में होती है।

कण्ट्रोल पैलेट

इसमें फ़ॉन्ट, फ़ॉन्ट साइज़, बोल्ड, इटैलिक, अंडर लाइन, लाइन स्पेसिंग, आदि ऑप्शन दिए गए होते है। जो पब्लिकेशन पर काम करते समय किसी प्रकार की एडिटिंग करने में प्रयोग किये जाते है।

पेज बॉर्डर

इससे आप पेज की बार्डर सिलेक्ट कर सकते है। आपको कितनी बार्डर रखनी है अगर आपने कुछ टाइप किया है और वह पेज की बार्डर से बाहर चला जाता है तो वह प्रिंट निकालते समय प्रिंट नहीं होता है।

मार्जिन गाइड्स

पेज के अंदर टाइपिंग की जगह को निर्धारित करने के लिए इस ऑप्शन का प्रयोग किया जाता है। पेज पर यह नीले रंग की एक पतली रेखा के रूप में दिखाई देती